19/5/22 (M)

19 MAY 2022

[This question paper contains 3 printed pages.]

Your Roll No...............

Chanakya Puri, New Delhi-11002 LIBRARY

Sr. No. of Question Paper : 3264 **A**

Unique Paper Code : 12137902

Name of the Paper : Art of Balanced Living

Name of the Course : **B.A. (Hon.) DSE – LOCF** Sanskrit

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।

P.T.O.

munotes.in

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिये। (12× 3=36)
Answer any **three** of the following questions:

(अ) 'विज्ञानेनेदं सर्वं विदितम्' बृहदारण्यकोपनिषद् की इस पंक्ति के इस कथन की व्याख्या कीजिए।

Explain the content of this line 'विज्ञानेनेदं सर्वं विदितम्'of Bṛhadāraṇyakopaniṣada.

(आ) 'योग' शब्द को स्पष्ट करते हुए चित्तप्रसादन के उपायों का वर्णन कीजिए।
Elucidate the word 'Yoga' and describe the means of cittaprasādana.

(इ) नियम के प्रकारों का वर्णन कीजिए।
Describe the types of observance.

(ई) प्राणायाम से हम कैसे स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकते है? विवेचन कीजिए।
How can we get health benefits from Breath exercise? Describe.

(उ) गीता के आधार पर सन्तुलित जीवन के लिए 'भक्तियोग' के उपयोगी सूत्रों का वर्णन कीजिए।
Describe the useful formulas of Bhakti-Yoga for balanced living on the basis of Gītā.

2. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : (5× 5=25)
Explain the Following:

(क) यं हि न व्यथयन्त्येते पुरुषं पुरुषर्षभ।
समदुःखसुखं धीरं सोऽमृतत्वाय कल्पते।।

अथवा / Or

य एवं वेत्ति पुरुषं प्रकृतिं च गुणैः सह।
सर्वथा वर्तमानोऽपि न स भूयोऽभिजायते।।

(ख) शनैः शनैरुपरमेद्बुद्ध्या धृतिगृहीतया।
आत्मसंस्थं मनः कृत्वा न किञ्चिदपि चिन्तयेत्।।

अथवा / Or

यो मां पश्यति सर्वत्र सर्वं च मयि पश्यति।
तस्याहं न प्रणश्यामि स च मे न प्रणश्यति।।

(ग) यत्करोषि यदश्नासि यज्जुहोषि ददासि यत्।
यत्तपस्यसि कौन्तेय तत्कुरुष्व मदर्पणम्।।

अथवा / Or

दिवि सूर्यसहस्रस्य भवेद्युगपदुत्थिता।
यदि भाः सदृशी सा स्याद्भासस्तस्य महात्मनः।।

(घ) तेषामहं समुद्धर्ता मृत्युसंसारसागरात्।
भवामि नचिरात्पार्थ मय्यावेशितचेतसाम्।।

अथवा / Or

ये तु धर्म्यामृतमिदं यथोक्तं पर्युपासते।
श्रद्धधाना मत्परमा भक्तास्तेऽतीव मे प्रियाः।।

(ङ) इष्टान्भोगान्हि वो देवा दास्यन्ते यज्ञभाविताः।
तैर्दत्तानप्रदायैभ्यो यो भुङ्क्ते स्तेन एव सः।।

अथवा / Or

कर्म ब्रह्मोद्भवं विद्धि ब्रह्माक्षरसमुद्भवम्।
तस्मात्सर्वगतं ब्रह्म नित्यं यज्ञे प्रतिष्ठितम्।।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए : (3.5× 2=7)
Explain any **two** of the following:

(अ) तत्परं पुरुषख्यातेर्गुणवैतृष्ण्यम्।

(आ) अहिंसासत्यास्तेयब्रह्मचर्यापरिग्रहा यमाः।

(इ) तत्र प्रत्ययैकतानता ध्यानम्।

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर **संस्कृत** में टिप्पणी लिखिए:- (7)
Write a short note on any **One** of the following in Sanskrit:

(i) क्रियायोग (ii) चित्तवृत्तिनिरोध (iii) ज्ञनयोग

munotes.in